## HRA an USIUA The Gazette of India

## असाधारगा

EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 85] No. 85]

नई विल्ली, मंगलवार, फरवरी 28, 1984/फाल्गुन 9, 1905 NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 28, 1984/PHALGUNA 9, 1905

इस भाग में भिल्म पूष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकल्प के रूप में रखा जा सके Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## उद्योग मंत्रालय

(भौद्योगिक विकास विभाग)

म्रादेश

नई दिल्ली, 28 फरवरी, 1984

का॰ भा॰ 132(भ)/18कक/आई॰ डी॰ मार० ए॰/84 :— भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (श्रीबोगिक विकास विभाग) के मादेश सं॰ का॰ ग्रा॰ 84(भ)/18कक/भाई डी मार ए/78, तारीख 9 फरवरी 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त भावेग कहा गया है), मैससे मालाबार स्पिनिगं एण्ड वीविंग मिल्स लिमिटेड, कालीकट, केरल नामक सम्पूर्ण ग्रीबोगिक उपकम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास ग्रीर विनियमन), ग्राधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के भ्रधीन 8 फरवरी, 1983 तक की, जितमें यह तारीख भी सम्मिलित है, पांच वर्ष की मावधि के लिए ग्रहण किया गया था भीर केरल स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड को उक्त भौद्योगिक उपकम का प्रबन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

भीर भारत सरकार के उद्योग मंत्राख्य (भौद्योगिक विकास विभाग) के भारेण सं० का॰भा॰ 98(भ)/18कक भ्राई० डी॰ भ्रार॰ ए,83, तारीख 8 फरवरी, 1983 द्वारा, उक्त भारेण की भवधि की 8 भ्रास्त, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की और भ्रवधि के लिए बहाया गया था ;

मोर भारत सरकार के उचोग मंत्रालय (मौद्योगिक विकास विभाग) के मादेश सं० का० मा० 553 (म)/18कक/माई की मार ए /83, तारीख 4 मगस्त, 1983 द्वारा, उक्त मादेश की भवधि को, 28 फरवरी, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिशित है, मीर मनिध के लिए क्कांग गया था ;

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त भौद्योगिक उपक्रम 28 भगस्त, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलिति है, छह मास की भौर भवधि के लिए केरल स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबन्ध के भ्रधीन बना रहे;

ग्रतः, श्रवः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) भ्रिधिन्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेश देती है कि उकत भादेश 28 श्रगस्त, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, छह मास की भीर श्रवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा॰ सं॰ 7 (39)/79-सी यू एस ]

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)
ORDER

New Delhi, the 28th February, 1984

S.O. 132(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 84(E)|13AA|IDRA|78, dated the 9th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Malabar Spinning and Weaving Mills Limited, Calicut. Kerala was taken over under clause (b) of subsection (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of

1951), for a period of five years upto and inclusive of the 8th February. 1983, and the Kerala State Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)|18AA| IDRA|83, dated the 8th February, 1983, the period of six months upto and inclusive of the 8th August, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 553(E)|18AA| IDRA|83, dated the 4th August, 1983, the period of the said Order was extended upto and inclusive of the 28th February, 1984;

And, whereas, the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Kerala State Textile Corporation Limited for a further period of six months upto and inclusive of the 28th August, 1984;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 28th August, 1984.

[File No. 7(39)]79-CUS]

का० धा० 133(भ)/18कक/प्रार्द० खी० घार० ए०/84:— भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (प्रौद्योगिक विकास विभाग) के घादेण सं० का० गा० 70(भ)/18कक/प्रार्द० खी० घार०ए०/78-तारीख 6 फरवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त प्रादेश कहा गया है), मैसर्स कोट्टायम टेक्सटाइल्स लिमिटेंड, कोट्टायम, केरल नामक संपूर्ण भीघोगिक उपक्रम का प्रवन्ध, उद्योग (विकास भीर विनियमन) घिधिनयम, 1951 (1951 का 65) की घारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के घ्राप्तीन 5 फरवरी 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, पांच वर्ष की घ्रविध के लिए ग्रहण किया गया था भीर केरल स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेंड को उक्त धीधोगिक उपक्रम का प्रवश्य ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत किया गया था;

धौर, भारत सरकार के उद्यौग मंझालय (श्रीधोगिक विकास विभाग) के भावेग सं० का० श्रा० 88(भ्र)/18कक/भाई० डी० श्रार० ए०/83, त्तरीख 4 फरवरी, 1983 द्वारा, उक्त भावेश की भविध को 5 श्रगस्त, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की भौर भविष के लिए बढ़ाया गया था ;

भौर भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भौधोगिक विकास विभाग) के भावेस सं० का० आ० 554(भ)/18कक/भाई दी०भार० ए०/83, तगरीख 4 भगस्त, 1983 द्वारा, उक्त भावेश की श्रवधि को 28 फरवरी 1984, तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिक्षित है, भविध के लिए बढ़ाया गया था

भौर केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त भौद्योगिक उपक्रम 28 भगस्त, 1984 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की भौर श्रवधि के लिए केरल स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटड के प्रबन्ध के भ्रधीन बना रहे;

श्रतः, श्रव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भौर विनियमन) श्रिधिन्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निदेश देती है कि उक्त श्रादेश 28 श्रगस्त, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिन्तित है, छह मास की भौर श्रविध के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा॰ सं॰ 7(39)/79-सी॰ यु॰ एस॰]

S.O. 133(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 70(E)|18AA|IDRA|78, dated the 6th February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undetaking known as Messrs Kottayam Textiles Limited, Kottayam, Kerala, was taken over under clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of five years upto and inclusive of 5th February, 1983 and the Kerala State Textile Corporation Limited was authorised to take over the management of the sid industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 88(E)|18AA| IDRA|83, dated the 4th February, 1983, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 5th August, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 554(E)|18AA| IDRA|83, dated 4th August, 1983, the period of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 28th February, 1984;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Kerala State Textile Corporation Limited for a further period of six months up to and inclusive of 28th August, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 195!), the Central Government directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 28th August, 1984.

[File No. 7(39)|79-CUS]

का॰ धा॰ 134(ध्र)/18कक/घाई० डी॰ श्रार॰ ए०/84 :---मारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (शौद्योगिक विकास विभाग) के धादेश सं०, का॰ धा॰ 83(ध्र)/18कक/घाई० डी॰ श्रार॰ ए०/78 तारीख 9 फरवरी 1975 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत प्रादेश कहा गया है), मससे प्रभुगम मिल्स लिमिटेड चंगनपुर, केरल नामक संपूर्ण शौद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध, उद्योग (विकास धौर विनियमन) श्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) के ध्रधीन 8 फरवरी, 1983 तक की जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, पांच वर्ष की प्रविध के लिए प्रहण किया गया था धौर केरल स्टेट टेक्सटाइल कारपोरेशन लिमिटेड को उक्त श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध ग्रहण करने के लिए प्राधिक्षत किया गया था ;

भीर, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (भीद्योगिक विकास विभाग) के भावेश संवकाव आव 97 (भ)/18कक/भाईव औव आरव एव/83, तारीख 8 फरवरी, 1983 द्वारा उन्त भादेश की भविध की 8 ग्रगस्त, 1983 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्निलित है, छह मास की भीर भविध के लिए बढ़ाया गया था;

भीर भारत सरकार उद्योग मंत्रालय (भीधोगिक विकास विभाग) के भावेश सं० का० भा० 555(भ)/18कक/भाई० डी॰ भार० ए०/83, तारीख 4 भगस्त, 1983 द्वारा उक्त भादेश की भवधि की 28 फरवरी, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, भीर भवधि के लिए बढ़ाया गया था;

भौर, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त भौधोगिक उपकम 28 अगस्त, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, छह मास की भौर भविध के लिए केरल स्टेट टेक्सटाइस कारपोरेशन लिमिटेड के प्रबन्ध के प्रधीन बना रहे;

मतः, भव, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास भीर विनियमन) मधिन्त्यम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निदेश देती है कि उक्त भावेश 28 मगस्त, 1984 तक की, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, भीर प्रविध के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[फा॰ सं॰ 7(39)/79-सी॰सू॰एस॰] ए॰ पी॰ सरवन, संयुक्त सचिव

S.O. 134(E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 83(E)|18AA|IDRA|78, dated the 9th

February, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the Industrial Undertaking known as Messrs Prabhuram Mills Limited, Chenganpur, Kerala, was taken over under clause (b) of sub section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) for a period of five years upto and inclusive of the 8th February, 1983, and the Kerala State Textile Corporation Limited was authorised to takeover the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 97(E)|18AA| IDRA|83, dated the 8th February, 1983, the period of the said Order was extended for a further period of six months upto and inclusive of the 8th August, 1983;

And, whereas, by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 555(E)|18AA|1DRA|83, dated the 4th August, 1983, the period of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 28th February, 1984;

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Kerala State Textile Corporation Limited for a further period of six months upto and inclusive of the 28th August, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government directs that the said Order shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 28th August, 1984.

[File No. 7(39)|79-CUS] A. P. SARWAN, Jt. Secy.